



GOVERNMENT OF INDIA

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 359] नई विल्सनी, शुक्रवार, अगस्त 19, 1977/श्रावण 28, 1899

No. 359] NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 19, 1977/SRAVANA 28, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे यह असर संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 19th August 1977

S.O. 620(E)/18A/IDRA/77—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 678(E)/18A/IDRA/72, dated the 24th October, 1972, the management of the industrial undertaking known as Messrs Carter Pooler and Company Private Limited, Calcutta, had been taken over by the Authorised Controller referred to in that Order for a period of five years,

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period of two years,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above shall continue to have effect for a further period of two years.

[No. F 1/92/71-CUC]

उद्योग मंत्रालय

(श्रौद्धोगिक विकास विभाग)

श्राद्धेश

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1977

का० आ० 620 (अ) 18क आई० डॉ० आर० ए० 77—भारत सरकार के भूतपूर्व श्रौद्धोगिक विकास मंत्रालय (श्रौद्धोगिक विकास विभाग) के श्रादेश म० का० आ० 678 (अ) 18क आई० डी० आर० ए० 72, तारीख 24 अक्टूबर, 1972 द्वारा मैसर्स कार्टर पूलर एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिंग, कलकत्ता नामक श्रौद्धोगिक उपकरण का प्रबन्ध, उस श्रादेश मेर निर्दिष्ट अधिकृत नियवक द्वारा पात्र वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर निया गया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित मेर यह समीचीन है कि उक्त अधिकृत नियवक द्वारा उक्त श्रौद्धोगिक उपकरण का प्रबन्ध दो वर्ष की और अवधि के लिए जारी रहना चाहिए;

अत अब, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निरेंग देनी है कि ऊपर उल्लिखित श्रादेश दो वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[सं० का० 1/92 71-सी० यू० सी]

S.O. 621(E)/18FB/IDRA/77.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 455(E)/18FB/IDRA/73, dated the 31st August, 1973, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all or any of the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards or other instruments in force immediately before the publication of the said Order in the Official Gazette to which the industrial undertaking known as Messrs Carter Pooler and Company Private Limited, Calcutta, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended for a period of one year and all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for a period of one year;

And whereas the duration of the said Order was extended upto the 30th August, 1977;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 30th August, 1978,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 30th August, 1978

[No F 1/92/71-CUC]

G. N. MEHRA, Jt. Secy.

का० आ० 621(अ) 18-ख उ० वि० अ० 77.—भारत सरकार के भूतपूर्व श्रौद्धोगिक विकास मंत्रालय (श्रौद्धोगिक विकास विभाग) के श्रादेश म० का० आ० 455 (अमा०) 18 च ख उ० वि० अ० 73, तारीख 31 अगस्त, 1973 द्वारा (जिसे इसमेर इसके पश्चात् उक्त श्रादेश कहा गया है) केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषित किया था कि राजपत्र मेर उक्त श्रादेश के प्रकाशन के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी या किसी संबिदा, सम्मान के हस्तांतरण-पत्र, करार, समझौते, पंचाट या अन्य लिखित का, जिनका 'जिम्मा' मेसमं कार्टर

पूलर एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपकरण एक पक्षकार है या जो उक्त उपकरण को लागू हो या हो, प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व तद्धीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएँ और वायित्व एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे;

और उक्त आदेश की कालावधि 30 अगस्त, 1977 तक बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की कालावधि 30 अगस्त, 1978 तक, जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, को अ.र अवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की कालावधि 30 अगस्त, 1978 तक, जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, को और अवधि के लिए बढ़ाती है।

[सं० फा० १ ९२, ७१-सी० य० सी०]

जी० एन० मेहरा, सयुक्त सचिव ।

